## खबर संक्षेप

### बंटी ने दिखाई इंसानियतः भटके युवक को परिवार से मिलाया समाज में पेश की मिसाल

**शहडोल।** आज जब समाज में संवेदनाएं धीरे-धीरे खोती जा रही हैं, ऐसे समय में शहडोल के समाजसेवी सबी खान बंटी ने मानवता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो सबके लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। छतरपुर जिले के नौगांव निवासी पुरुषोत्तम गुप्ता का बेटा बागेश्वर धाम जाने के लिए घर से निकला था। लेकिन अनजान परिस्थितियों में वह रास्ता भटककर शहडोल पहुंच गया। 27 जुलाई को वह यहां इधर-उधर भटक रहा था, जब समाजसेवी सबी खान बंटी की नजर उस पर पड़ी। युवक की हालत देखकर उन्होंने न केवल उसकी सहायता की, बल्कि उसे सुरक्षित आश्रय प्रदान करते हुए रैन बसेरे में ठहराया और भोजन आदि की व्यवस्था भी करवाई। सबी खान बंटी ने युवक से संवाद कर उसका पता-ठिकाना जाना और तत्परता से उसके परिजनों से संपर्क किया। आज, 28 जुलाई को युवक के पिता सुनील गुप्ता शहडोल पहुंचे। सबी खान बंटी ने उन्हें उनके बेटे को सुरक्षित सुपुर्द किया। अपने बेटे को सकुशल पाकर भावुक हुए पिता ने बंटी का तहे दिल से आभार जताया और कहा कि आप जैसे लोग समाज की असली पूंजी हैं। इस घटना की जानकारी मिलते ही शहरवासियों और सोशल मीडिया पर लोगों ने सबी खान बंटी के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे इंसानियत की असली तस्वीर बताया।

### नव जागृति महिला समिति ने धूमधाम से मनाया हरियाली तीज महोत्सव

**शहडोल।** संभागीय मुख्यालय के घरौला मोहल्ला स्थित नव जागृति महिला समिति द्वारा हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से भरपूर रहा। यह भव्य कार्यक्रम स्थानीय ओएसिस रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा की थीम पर आधारित प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर हर उम्र की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार, अर्णव प्रकाशन एवं कर्मनिष्ठा फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. प्रियंका त्रिपाठी उपस्थित रहीं। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा इस तरह के कार्यक्रम महिलाओं को अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। डॉ. प्रियंका ने सावन पर अपनी एक भावभीनी गज़ल भी प्रस्तुत की, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्रीमती कल्याणी वाजपेयी और नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलम चतुर्वेदी भी मौजूद रहीं, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ, रैंप वॉक, नृत्य, गेम्स, प्रश्नोत्तरी और मस्तीभरे आयोजनों ने कार्यक्रम को आनंदमय बना दिया। इस अवसर पर निशा पैगवार को इस वर्ष की हरियाली क्वीन घोषित किया गया। समिति की अध्यक्ष गीता पांडेय, सचिव प्रेरणा श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मोनिका महोबिया, एवं अन्य सक्रिय सदस्यों माधुरी पाठक, किरण पैगवार, रक्षा पांडेय, ज्योति गुप्ता, अनुपमा पांडेय, रानी गुप्ता, ज्योति मिश्रा और पूजा पैगवार की सराहनीय भूमिका ने आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन मोनिका महोबिया और ज्योति मिश्रा ने प्रभावशाली ढंग से किया। सभी ने इस आयोजन को यादगार बताते हुए समिति की रचनात्मक सोच और संगठन क्षमता की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

# शरद कोल का तीखा बयान

# विधानसभा में जांच तक अरविंद पांडे खैर मनाए

## शिक्षा विभाग की जानकारी में हेरफेर का प्रयास

शहडोल। जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में हुए पेंट और फर्जी बिल घोटाले से जुड़ी जानकारी को लेकर अब सियासी बयानबाज़ी तेज़ हो गई है।

भाजपा विधायक शरद कोल द्वारा विधानसभा में वर्ष 2015 से 2025 तक के शिक्षा बजट, व्यय, मूल्यांकन पत्रक, उपयोगिता प्रमाणपत्र सहित समस्त रिकॉर्ड की जानकारी मांगी गई थी। यह जानकारी 28 जुलाई तक भोपाल स्थित विधानसभा सचिवालय भेजी जानी है और 6 अगस्त को सदन में प्रस्तुत की जानी है। जानकारी के संकलन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मरपच?छी और संयुक्त संचालक उमेश धुर्वे ने समस्त विद्यालयों को निर्देश जारी कर दस्तावेज मंगवाए हैं। लेकिन इस बीच रमसा प्रभारी अरविंद पांडे की भूमिका सवालों के घेरे में आ गई है। बताया जा रहा

है कि वे विद्यालयों के प्राचार्यों को फोन कर अधूरी जानकारी देने और विशेष रूप से सॉफ्टवेयर में दर्ज केंद्र सरकार की राशि से जुड़ी जानकारियां साझा न करने के निर्देश दे रहे हैं। शिक्षकों के अनुसार, जिला व्यावसायिक समन्वयक डेमन यादव के माध्यम से भी दबाव बनाया जा रहा है कि वे सभी जानकारी उजागर न करें। कई प्राचार्यों ने मौखिक रूप से इस हस्तक्षेप की पुष्टि की है, जिससे यह आशंका और गहरा गई है कि विभागीय स्तर पर विधानसभा को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। जब इस पूरे घटनाक्रम पर विधायक शरद कोल से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने दो टूक कहा अरविंद पांडे जैसे अधिकारी विधानसभा तक जानकारी पहुंचने और उसकी जांच पूरी होने तक अपनी खैर मनाएं। भाजपा सरकार आदिवासी अंचल के बच्चों के भविष्य से कोई खिलवाड़ नहीं होने देगी। शासन जो पैसा भेजता है, वह गांव की अंतिम पंक्ति तक पहुंचे - यह हमारी जिम्मेदारी है। अगर कोई अधिकारी जानबूझकर जानकारी छिपा रहा है या हेरफेर कर रहा है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। शरद कोल ने यह भी कहा कि यह सिर्फ एक जानकारी मांगने का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी जिले के बच्चों और जनता के हक की बात है। अगर जानकारी के साथ किसी तरह का छल किया गया तो वह विधानसभा में उजागर होगा और दोषियों को जवाबदेह बनाया जाएगा।

# महिला सुरक्षा या सरकारी तमाशा?

### न महिला थाना जागा, न प्रशासन हिला, पीड़िताएं परेशान, तंत्र बेखबर

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के नाम पर स्थापित किए गए महिला थाने अब महिला असहाय केंद्र में तब्दील होते जा रहे हैं। कागज़ी दावों और मीडिया बयानों से इतर ज़मीनी सच्चाई कुछ और ही है, जहां न शिकायत दर्ज होती है, न सुनवाई होती है और न ही न्याय की कोई उम्मीद बचती है। ताज़ा घटनाएं शहडोल जिले में महिला सुरक्षा के खोखले दावों की धज्जियां उड़ाती दिख रही हैं।

**शहडोल।** मध्यप्रदेश सरकार ने कभी बड़े गर्व से महिला थानों की स्थापना की थी। उद्देश्य था महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और त्वरित न्याय, लेकिन आज महिला थाने खुद सवालों के कटघरे में खड़े हैं। एक महिला ने यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग की गंभीर शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन उसे न तो महिला थाने से मदद मिली और न ही सरकारी हेल्पलाइन 1090 से। शिकायतकर्ता ने अपनी लिखित रिपोर्ट में कल्याणपुर कोयलारी फाटक निवासी शिवेंद्र सिंह पर अश्लील मैसेज भेजने, मानसिक प्रताडऩा और धमकाने का आरोप लगाया है, लेकिन महिला थाने में सुनवाई के बजाय उसे अभी समय नहीं है, जैसी औपचारिकता में टरका

दिया गया। इतना ही नहीं, महिला हेल्पलाइन 1090, जो महिलाओं की आपात सहायता के लिए सक्रिय मानी जाती है, वहाँ से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

### पीड़िता की उम्मीद का कातिल

सरकार ने 1090 हेल्पलाइन को महिलाओं की डायल-सहारा के रूप में पेश किया था। लेकिन पीड़िता की शिकायत पर न कॉल आया, न मैसेज, न ही कोई पुलिस सहायता - मतलब ये कि ये नंबर सिर्फ बैनर में है, ज़मीन पर नहीं। हेल्पलाइन अब हेल्प-लाइन नहीं, होल्ड लाइन बन चुकी है, जहाँ महिलाएं शिकायतें दर्ज करा-करा कर थक जाती हैं और सिस्टम उबासी लेकर सो जाता है।

### थाना बोलेः जांच में है, केस बोलेः मैं तो दर्ज ही नहीं हुआ!

शहडोल महिला थाना से संपर्क किया गया तो, वही घिसा-पिटा जवाब मिला, मामला जांच में है, लेकिन मामला दर्ज हुआ ही नहीं, न एफआईआर है, न पावती, न केस नंबर। तो किस चीज़ की जांच? लगता है महिला थाने ने 'जांच' शब्द को 'भूत' की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, दिखता नहीं, होता कुछ नहीं, लेकिन डराने के लिए काफी है।

### स्वास्थ्य केंद्र बना मानसिक उत्पीडऩ का केंद्र

महिलाओं के साथ प्रशासनिक असंवेदनशीलता

### व्यवस्था की बहरी दीवारों से टकराती महिला की चीखें

की एक और बानगी 25 जुलाई को बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में देखने को मिली, जब ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स नेहा पाण्डेय और चिकित्सक अनुराग पाण्डेय के बीच मरीज को लेकर विवाद हो गया। नर्स का कहना था कि रैबीज के बाद टिटनेस जरूरी नहीं, लेकिन डॉक्टर की सिफारिश पर उन्होंने बाहर से लाने की सलाह दी। इस सामान्य चिकित्सा मतभेद को जबरन तूल दिया गया और बाद में महिला कर्मचारी ने मानसिक प्रताडऩा की शिकायत लेकर बुढ़ार थाना का दरवाज़ा खटखटाया, लेकिन वहां भी वही अदृश्य न्याय प्रणाली सक्रिय रही। मामला न सुना गया, न दर्ज हुआ। सीधा बीएमओ ने सीएमएचओ को पत्र लिखा, लेकिन उसका क्या हुआ, आज तक किसी को नहीं पता, शायद फाइलों के कबाड़ में दब गया होगा।

### प्रशासन की चुप्पी और नेताओं की गूंगी दीवार

इन दोनों मामलों ने यह साफ कर दिया है कि महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन पूर्णतः संवेदनहीन हो चुके हैं और सबसे शर्मनाक भूमिका निभा रहे हैं स्थानीय जनप्रतिनिधि, जो भाषणों में महिला सशक्तिकरण की ढोलक बजाते हैं, लेकिन जब एक महिला पीड़ित होती है, तब 'नेटवर्क एरिया से बाहर हो जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये घटनाएं सिर्फ खबर बनकर रह जाएंगी और न कोई अधिकारी निलंबित होगा, न कोई नेता शर्मिंदा। महिला सुरक्षा के नाम पर चल रही यह नाटकबाज़ी बंद होनी चाहिए, नहीं तो एक दिन महिलाएं इस व्यवस्था से पूरी तरह भरोसा खो देंगी।

# शासकीय कॉलेज बना अतिक्रमण का गढ़, जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे

### कालेज के सामने अतिक्रमण कायम, नगर परिषद की कार्रवाई पर उठे सवाल

**ब्योहारी।** क्षेत्र का एकमात्र उच्च शिक्षा संस्थान पं. रामकिशोर शुक्ल स्मृति शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय चारों ओर से अतिक्रमण की चपेट में है। खसरा नंबर 275 से 284/2 तक फैले इस शासकीय कॉलेज की 3.60 एकड़ जमीन पर वर्षों से अस्थायी बस स्टैंड और दुकानें कब्जा जमाए बैठी हैं। मुख्य गेट से लेकर अगल-बगल तक दुकानें, खोमचे और वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग के कारण छात्रों को कॉलेज आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

### राजनीतिक उपेक्षा

चौंकाने वाली बात यह है कि यह वही कॉलेज है, जहां से वर्तमान विधायक शरद कोल ने शिक्षा प्राप्त की और अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। कॉलेज उनके निज निवास के ठीक पीछे स्थित है, बावजूद इसके कॉलेज की बदहाली पर उनका ध्यान नहीं जा रहा। हाल ही में नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाने की रस्म अदायगी करते हुए कुछ गरीब दुकानदारों को जबरन हटाया गया, लेकिन कॉलेज के गेट के सामने और आसपास व्याप्त स्थायी अतिक्रमण जस का तस बना हुआ है। आरोप है कि केवल चार-पांच दुकानों को हटाकर परिषद ने अपने समर्थकों की दुकानें वहां स्थापित कराई हैं। यही नहीं, मार्तण्डगंज के वार्ड क्रमांक 7 में भी इसी तरह गरीब फुटपाथी दुकानदारों को हटाकर एक व्यक्ति की लोहे की गोमती रखवाई गई थी, जिससे विवाद हुआ और वीडियो वायरल हुआ।

### भाजपा की छवि को नुकसान

स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है कि नगर परिषद अध्यक्ष रंजिशन कार्रवाई कर रहे हैं और सत्ताधारी दल के हितों की रक्षा कर रहे हैं। इससे भाजपा की छवि को स्थानीय स्तर पर गहरा आघात लग रहा है। स्थानीय नागरिकों, छात्रों और जागरूक समाजसेवियों की मांग है कि पूरे कॉलेज परिसर और उसके आसपास से बिना भेदभाव के अतिक्रमण हटाया जाए। साथ ही कॉलेज की जमीन को शिक्षण कार्य के लिए सुरक्षित और संरक्षित किया जाए।

### सवाल वहीः कुछ ही क्यों?

क्या नगर परिषद को बाकी अतिक्रमण नहीं दिखते?
क्या गरीब दुकानदारों को निशाना बनाना आसान है?
क्या कॉलेज परिसर की जमीन को निजी स्वार्थ के लिए कुचला जा रहा है।

# हिंदू-मुस्लिम नहीं, सबसे पहले हिंदुस्तान

### काव्य संध्या में गूंजा राष्ट्रीय एकता का स्वर

**शहडोल।** हिंदू हो या मुस्लिम, चाहे सिख हो या ईसाई सबसे ऊपर हिंदुस्तान होना चाहिए, यही भाव गूंज उठा पुलिस जवानों के नाम समर्पित शब्द गूंज काव्य संध्या में, जिसका आयोजन साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश भोपाल और पाठक मंच शहडोल इकाई द्वारा किया गया। यह भावपूर्ण आयोजन पुलिस लाइन शहडोल स्थित सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुलिस विभाग के अधिकारियों, जवानों, साहित्यकारों और शहर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

### दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। संगीत विशारद अर्चना बनर्जी ने भावपूर्ण सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सभी अतिथियों का स्वागत तुलसी के पौधे और स्वागत बैच से किया गया। इस अवसर पर पाठक मंच की जिला संयोजक संगीता शुक्ला की प्रथम काव्यकृति स्वरा प्रवाहिनी का विमोचन किया गया, जिसे साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा चयनित किया गया है।

इस कृति पर डॉ. दिलीप तिवारी एवं संगीता शुक्ला ने प्रकाश डाला।

### काव्य संध्या में देशभक्ति, वीरता और समाज की झलक

कार्यक्रम के दूसरे चरण में हुई काव्य संध्या में कटनी से पधारे वीर रस के कवि तुषार भट्टाचार्य तपन की ओजपूर्ण प्रस्तुति ने माहौल को जोश से भर दिया। उमरिया से राजकुमार महोबिया, जयसिंहनगर से सुखनिधान मिश्रा, बुढार से पद्म प्रकाश बेसुरा, मुंबई से मोहनीश गुप्ता, भोपाल से आस्तिक अभिलाष, शहडोल से शिरीष नंदन श्रीवास्तव, अनूपपुर से अभिषेक श्रीवास्तव, धनपुरी से नीलू सोनी जैसे रचनाकारों ने भी अपनी उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत कीं।

### पुलिस परिवार से विशेष सहभागिता

इस आयोजन की विशेषता रही पुलिस विभाग में पदस्थ अशोक सेन की पुत्री वर्तिका सेन की कविता, जिसमें पुलिस जवानों की कर्तव्यनिष्ठा को शब्दों में पिरोया गया। पुलिस विभाग की ओर से भगवती प्रसाद एवं मो. शारिब ने भी अपनी कविताएं सुनाईं। इस अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं राष्ट्रीय कवि संगम की अध्यक्ष अंजू सिंह बघेल, प्राध्यापक सुनीता मरकाम, किरण सिंह शिल्पी, जनक कुमारी सिंह बघेल, राजिंदर सिंह राज, डॉ. दुर्गा शंकर श्रीवास्तव आदि ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

### कार्यक्रम संचालन एवं समापन

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप तिवारी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अरुण शुक्ला द्वारा किया गया। समापन पर सभी कवियों और अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही पुलिस विभाग को सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया।

# खरीफ सीजन में खाद के लिए तरसते किसान

### बुढार विपणन केंद्र पर कालाबाजारी के आरोप

**शहडोल। जिले के बुढ़ार स्थित सहकारी विपणन केंद्र में इन दिनों किसानों को खाद के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हैरान करने वाली बात यह है कि गोदाम में खाद भरी पड़ी है, फिर भी किसानों को वह नहीं मिल रही। किसान सुबह से शाम तक चक्कर काटते रहते हैं, लेकिन या तो गेट बंद मिलता है या फिर कोई जवाबदेही लेने को तैयार नहीं होता।**

### खुलेआम कालाबाजारी के आरोप

किसानों ने आरोप लगाया है कि विपणन केंद्र में खुलेआम खाद की कालाबाजारी की जा रही है। जो खाद उन्हें निर्धारित दरों पर मिलनी चाहिए, वह बाजार में ऊंचे दामों पर बेची जा रही है। उनका कहना है कि खरीफ सीजन में समय पर खाद न मिलने से फसलों की बुआई और ग्रोथ पर

सीधा असर पड़ रहा है।

### चौकीदार ने दिया जवाब, अधिकारी नदारद

इस मामले में विपणन केंद्र के चौकीदार मो. असगर ने बताया कि खाद केवल उन्हीं किसानों को दी जा रही है जिनकी परमिट बनी है और जिन्होंने कर्ज लिया है। स्टॉक सीमित होने के कारण सभी को खाद नहीं दी जा पा रही। ताले को लेकर उन्होंने कहा कि यह ताला मवेशियों से सुरक्षा के लिए लगाया गया है, खाद छुपाकर बेचने जैसी कोई बात नहीं है, क्योंकि यहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पहले कुछ व्यापारी पिकअप में

किसानों को लाकर खाद दिलाते थे, जिनके खिलाफ अब सख्ती हो रही है।

### जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे

सबसे गंभीर बात यह है कि मध्यप्रदेश सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के जिम्मेदार अधिकारी आनंद नारायण पांडेय मीडिया से बचते नजर आए और कैमरे के सामने कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया। प्रशासन की चुप्पी से किसानों की नाराजगी और बढ़ती जा रही है। गुस्साए किसानों ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सडक़ पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

# कन्या छात्रावास निर्माण में अनियमितता, ठेकेदार पर लीपापोती के आरोप

### ग्रामवासियों ने निर्माण कार्य की जांच की मांग की

**शहडोल।** जिले के बुढ़ार जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत टिकुरी में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निर्माणाधीन कन्या छात्रावास में निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा मानकों की अनदेखी की जा रही है और निर्माण कार्य में लीपापोती की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि करोड़ों रुपए की लागत से बन रहे इस कन्या छात्रावास की नींव की खुदाई मानक अनुसार न कर केवल आधा मीटर तक की जा रही है। साथ ही निर्माण सामग्री में भी गुणवत्ता की भारी कमी देखी जा रही है, जिससे आशंका है कि यह भवन लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह पाएगा।

### शुरुआत से ही अनियमितताएं

छात्रावास निर्माण की शुरुआत से ही ठेकेदार द्वारा मनमानी की जा रही है। न तो कोई निगरानी होती दिख रही है और न ही निर्माण की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। गांववासियों ने मांग की है कि इस निर्माण कार्य की निरपेक्ष जांच कराई जाए, ताकि बालिकाओं के लिए बनाए जा रहे इस भवन की संरचना मजबूत और सुरक्षित हो सके।

### विश्वविद्यालय में नशा मुक्त युवा अभियान के तहत वॉल पेंटिंग व संगोष्ठी का आयोजन

**शहडोल।** पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'नशा मुक्त युवा अभियान' के अंतर्गत एक प्रेरणादायी वॉल पेंटिंग का निर्माण किया गया। यह रचनात्मक पहल विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें स्वस्थ व नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का संचालन महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अभियान में ह्रस्व के वरिष्ठ स्वयंसेवकों - सुचिता तिवारी, उत्तरा विश्वकर्मा, अनामिका सिंह धुर्वे, शाहीन खान, जय राज रजक, अनुज साहू एवं रचना परस्ते ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वॉल पेंटिंग के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार और समाज के लिए विनाशकारी है। चित्रों और नारों के माध्यम से समाज को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा नशा मुक्त परिसर का संकल्प भी लिया गया। इसी क्रम में एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त युवा-सशक्त राष्ट्र विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

## खबर संक्षेप

### थाना रामनगर पुलिस की कार्यवाही, तीन मामलों में वांछित हिस्ट्रीशीटर गिरि उर्फ गिरिया बसोर गिरफ्तार

**हरिभूमि न्यूज राजनगर।** 28 जुलाई को थाना रामनगर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र में पंजीबद्ध तीन गंभीर आपराधिक प्रकरणों में वांछित चल रहे कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरि उर्फ गिरिया बसोर, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम आमाडांड को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व से ही थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 181/25 धारा 119(1), 296, 115(2), 351(2), 126(2), अपराध क्रमांक 185/25 धारा 296, 351(2), तथा अपराध क्रमांक 106/25 धारा 296, 115(2), 351(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध थे। गिरि उर्फ गिरिया बसोर थाना रामनगर का चिन्हित हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था और लगातार क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। आरोपी की गिरफ्तारी से स्थानीय नागरिकों में राहत की भावना उत्पन्न हुई है तथा क्षेत्र की शांति व्यवस्था बनाए रखने में यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह कार्यवाही थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में संपन्न की गई, जिसमें एसआई बी.एल. परस्ते, एएसआई विनोद नाहर तथा प्रधान आरक्षक अमित पटेल, राहुल प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### बीते 24 घंटे में जिले में 1.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 1.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र बिजुरी में 7.4 मिली मीटर, जैतहरी में 2 मिली मीटर, वेंकटनगर में 0.4 मिली मीटर, अमरकंटक में 3 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 0.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा तथा पुष्पराजगढ में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

### ग्राम परासी में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** जन अभियान परिषद द्वारा रविवार को विकासखण्ड अनूपपुर के ग्राम पंचायत परासी में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी नवांकुर सखियों को पौधे वितरित किये गए एवं पौधरोपण करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है, यह हमें सांस लेने के लिए वायु, पीने के लिए पानी और भोजन उगाने के लिए उपजाऊ भूमि प्रदान करता है। इसीलिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित किया जाए। यात्रा के दौरान पर्यावरण संरक्षण संबंधी नारों से आमजन को जागरूक किया गया तथा पौधरोपण किया गया।

### दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। सावन मास में नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कालरी संकट मोचन हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। बाल व्यास श्री हित उन्नति किशोरी 12 वर्ष के द्वारा कथा का वाचन कर रही है। सुनने के लिए आसपास एवं बाजार से भी महिलाएं पहुंच रही है। कथा में राधा रसामृत, अमृत ज्ञान गंगा सहित श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों का प्रदर्शित किया जाता है। रविवार से प्रारंभ हुए कथा के बाद भजन एवं प्रसाद का वितरण किया जाता है। मंगलवार को कथा समापन के बाद भजन संध्या एवं भंडारा प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी भक्तों से श्री भागवत कथा में शामिल होकर धर्म लाभ लिए जाने की अपील की गई है।

## 'रेफर संस्कृति' से त्रस्त हैं शहडोल, उमरिया और अनूपपुर की लाखों की आबादी

# शहडोल संभाग को चाहिए सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

शहडोल संभाग के शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिले वर्षों से एक ऐसे सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की बाट जोह रहे हैं, जहां गंभीर बीमारियों का इलाज एक ही छत के नीचे संभव हो। लाखों की आबादी आज भी छोटे-बड़े इलाज के लिए बाहर के शहरों की ओर रुख करने को मजबूर है। हरिभूमि समाचार पत्र ने अपने जनहित अभियान के अंतर्गत इस अत्यंत जरूरी मांग को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाई है।

'रेफर संस्कृति' में फंसी आदिवासी अंचल की आबादी
शहडोल संभाग को चाहिए एक सुपर स्पेशलिटी

**शहडोल।** शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिलों की लगभग 40 लाख की आदिवासी और ग्रामीण आबादी आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। यहां कैंसर, ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक, किडनी फेलियर, एक्सीडेंट और महिलाओं से जुड़ी गंभीर बीमारियों का इलाज न होने के कारण मरीजों को रायपुर, नागपुर, जबलपुर, दिल्ली जैसे शहरों की ओर रेफर कर दिया जाता है। हरिभूमि समाचार पत्र, अपने सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए, इस आवाज़ को बुलंद कर रहा है ताकि शासन-प्रशासन इस चिकित्सा संकट की ओर गंभीरता से ध्यान दे और शहडोल संभाग को शीघ्र ही एक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की सौगात मिल सके।

### समाधान चाहती है जनता

शहडोल, अनूपपुर और उमरिया की जनता अब इंतजार नहीं, समाधान चाहती है। एक पूर्ण सुसज्जित, भरोसेमंद और आधुनिक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल केवल स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि इस अंचल के भविष्य की बुनियाद बन सकता है। हरिभूमि समाचार पत्र अपने पाठकों के सहयोग और जिम्मेदार शासन की आशा के साथ इस अभियान को आगे बढ़ा रहा है, ताकि यह मांग केवल खबर न रह जाए - एक हकीकत बन सके।

### जनता की ज़ुबानी: क्यों चाहिए सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल?

#### कारोबारी वर्ग की राय

**1. प्रकाश रस्तोगी (व्यापारी, शहडोल)**
हमारा व्यवसाय यहीं है, लेकिन जब परिवार में किसी को गंभीर बीमारी होती है, तो हमें काम छोड़कर जबलपुर या नागपुर भागना पड़ता है। इलाज के लिए दूर जाना महंगा भी है और समय भी लगता है। शहडोल में एक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल होना हर व्यापारी परिवार की ज़रूरत है।

**2. अविनाश नानकवानी (फार्मा वितरक, शहडोल)**

मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर होगा तो दवा और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा व्यापार भी विकसित होगा। शहडोल जैसे केंद्र में सुविधा होने से ग्रामीणों को राहत मिलेगी और व्यापारियों को भी नया अवसर मिलेगा।

#### नेताओं की राय

**1. सुधीर सिंह (जनपद उपाध्यक्ष, गोहपारू)**
सालों से जनता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की मांग कर रही है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी रही। अब समय है कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर इस संभाग को स्वास्थ्य की असली सौगात दें।

**2. बलमीत सिंह खनूजा (कांग्रेस नेता, शहडोल)**

हमारे आदिवासी भाइयों को समय पर इलाज नहीं मिल पाने से जान गंवानी पड़ती है। जनप्रतिनिधियों को मिलकर इस दिशा में बजट और भूमि दोनों का प्रावधान करवाना चाहिए।

#### युवाओं की राय

**1. रश्मि सिंह (छात्रा, शहडोल)**
हम पढ़ाई के साथ-साथ घर की जिम्मेदारी भी संभालते हैं। किसी को हार्ट प्रॉब्लम या एक्सीडेंट हो जाए तो हम बेबस हो जाते हैं। अगर यहीं इलाज हो सके, तो पढ़ाई और परिवार दोनों सुरक्षित रहेंगे। लोगों को इलाज के लिये कहीं जाना नहीं पड़ेगा।

**2. वेंकटेश द्विवेदी (युवक, जयसिंहनगर)**
गांव से शहडोल आने में ही 2 घंटे लगते हैं और फिर वहां से जबलपुर रैफर ये बहुत कठिन है। हम युवा चाहते हैं कि अपने क्षेत्र में ही इलाज हो, ताकि हमारी पीढ़ी सुरक्षित रहे।

#### पत्रकारों की राय

**1. राहुल तिवारी (वरिष्ठ पत्रकार, शहडोल)**
रेफर संस्कृति ने इस संभाग की असलियत उजागर कर दी है। मीडिया में हम रोज ऐसी खबरें दिखाते हैं कि समय पर इलाज न मिलने से किसी ने जान गंवाई। यह शर्म की बात है कि इतनी सरकारें आईं और कोई सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल अब तक नहीं बन सका।

**2. ऋतुपर्ण दवे (स्वतंत्र पत्रकार, शहडोल)**

मैंने कई बार महिलाओं की गर्भावस्था में देर से इलाज मिलने के कारण जान गंवाने की खबरें लिखी हैं। एक आधुनिक हॉस्पिटल यहां की हर महिला, हर बच्चे, हर बुजुर्ग की जरूरत है। सरकार को अब संज्ञान लेना ही चाहिए।

## जिला परिवहन अधिकारी अनपा खान की कार्रवाई से हड़कंप

# बिना परमिट और अनफिट वाहनों में हो रही स्कूली बच्चों की ढुलाई

बिना परमिट और अनफिट वाहनों से स्कूली बच्चों की ढुलाई पर जिला परिवहन अधिकारी अनपा खान ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की। कार्मेल कॉन्वेंट विद्यालय अमली में छापेमारी कर दर्जनों वाहनों की जांच की गई और बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन की लापरवाही उजागर हुई। पहली बार किसी महिला अधिकारी ने खुद फील्ड में उतरकर बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी, जिससे एक अनुकरणीय उदाहरण स्थापित हुआ।

### बच्चों को लग्जरी गाड़ी में घर छोड़ा, खुद खस्ताहाल वाहन लेकर पहुंचीं कार्यालय

**शहडोल।** जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे अनफिट और बिना परमिट के वाहनों पर जिला परिवहन अधिकारी अनपा खान ने बड़ा कदम उठाते हुए कार्रवाई की है। सोमवार को जिला परिवहन अधिकारी अपने पूरे दल-बल के साथ कार्मेल कॉन्वेंट विद्यालय, अमली पहुंचीं और दो दर्जन से अधिक वाहनों की जांच की। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिनमें कई वाहन बिना फिटनेस, बीमा और परमिट के स्कूली बच्चों को ढो रहे थे। विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही उस वक्त सामने आई, जब दोपहर लगभग दो बजे स्कूल की छुट्टी के बाद एक-एक कर 30 से 35 वाहन बच्चों को लेने पहुंचे। इन सभी वाहनों के नंबर नोट किए गए, उनका फोटोग्राफ और वीडियोग्राफी कराई गई। मौके पर ही जिला परिवहन अधिकारी ने स्कूली प्रबंधन को फटकार लगाते हुए उनसे शपथ पत्र भी भरवाया कि 15 अगस्त से पहले तक सभी वाहनों के दस्तावेज पूरे कराना विद्यालय की जिम्मेदारी होगी।

### चार वाहन किए गए जप्त, दर्जनों को चेतावनी

इस दौरान अनूपपुर से आई एक स्कूल बस, एक टाटा एस चार पहिया वाहन और दो अन्य गाडिय़ों को भारी कमियों के चलते जप्त किया

गया। साथ ही अन्य चार बसों को चेतावनी देते हुए दस्तावेज तत्काल दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। वाहन चालकों और प्रबंधन को यह स्पष्ट कर दिया गया कि भविष्य में ऐसी स्थिति पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

### बच्चों को पहुंचाया घर, खुद खस्ताहाल गाड़ी में बैठीं अफसर

जब टाटा एस वाहन को जप्त किया गया, जिसमें धनपुरी से अमली बच्चों को लाया गया था, उस वक्त उसमें कई नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राएं बैठे थे जो घर लौटने की तैयारी में थे। ऐसे में बच्चों की परेशानी देख जिला परिवहन अधिकारी ने एक मिसाल पेश करते हुए अपने खुद के लग्जरी वाहन से बच्चों को उनके घर तक सुरक्षित पहुंचवाया। वहीं वे स्वयं खस्ताहाल टाटा एस वाहन में बैठकर उसे जिला परिवहन कार्यालय लेकर आईं, जो उनके दायित्वबोध और मानवीय संवेदना का परिचायक था। बच्चों ने जाते-जाते कहा आज हमें पहली बार लग्जरी गाड़ी में घर जाने का मौका मिला, हम मैडम को धन्यवाद देते हैं। वहीं कार्यालय पहुंचकर अधिकारी ने उस वाहन की पूरी स्थिति का मूल्यांकन किया और आगे की विधिवत कार्रवाई की बात कही।

### विद्यालय से लिया गया शपथ पत्र

जिला परिवहन अधिकारी अनपा खान ने बताया कि कार्मेल कॉन्वेंट विद्यालय प्रबंधन से इस बात का शपथ पत्र लिया गया है कि भविष्य में बिना दस्तावेजों वाले वाहन स्कूल संचालन में शामिल नहीं होंगे। साथ ही उन्होंने सभी विद्यालयों से अपील की कि वे अपने-अपने स्कूल में उपयोग होने वाले वाहनों के दस्तावेज पूर्ण कराएं।

### विशेष कैंप और खिड़की खोलने की तैयारी

उन्होंने बताया कि जल्द ही जिला परिवहन कार्यालय में एक विशेष कैंप और अलग खिड़की खोली जाएगी, जहां विद्यालयों द्वारा उपयोग में लाए जा रहे वाहनों के दस्तावेजों को सही कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इससे न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि शासन को भी राजस्व की प्राप्ति होगी।

### लंबे अरसे बाद हुई बड़ी कार्रवाई

गौरतलब है कि शहडोल जिले में लंबे समय से इस तरह की सघन जांच और कार्यवाही नहीं हुई थी। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा की गई इस पहल को न केवल अभिभावकों ने सराहा है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

### दृढ़ संदेश और मानवीय संवेदना का अद्भुत समन्वय

इस पूरी कार्रवाई में जहां एक ओर नियमों का पालन कराने का कड़ा संदेश गया, वहीं दूसरी ओर अनपा खान की मानवीय संवेदना भी सामने आई। बच्चों को तकलीफ न हो, इस बात को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने वाहन चालकों को केवल चेतावनी दी और बच्चों को सुरक्षित घर पहुंचाने को सर्वोच्च रखा।

### अधिकारियों से अपेक्षा

इस कार्रवाई ने यह दिखा दिया कि यदि अधिकारी चाहें तो जमीनी स्तर पर बदलाव संभव है। महिला होते हुए भी अनपा खान का खस्ताहाल वाहन में बैठकर कार्यालय जाना एक मिसाल है। साथ ही स्कूलों को अब जवाबदेह बनने का संदेश मिला है कि बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### नवांकुर सखियों को वितरित किया गया काजू एवं बादाम के बीज

**हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।** जनपद के ग्राम पंचायत बहपुर के सामुदायिक भवन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक सांख्यिकी विभाग द्वारा संचालित ग्राम विकास समिति बेलगवा के माध्यम से पंचायत के 50 महिलाओं को नवांकुर संस्था द्वारा निशुल्क काजू एवं बादाम के बीज वितरित किए गए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कार्यक्रम में उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए पेड़ों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि आप लोग जंगलों को काटना बंद करिए और एक पौधा आप लोग जरूर लगाइए ताकि हमारे क्षेत्र की हरियाली बनी रहे देश की राजधानी दिल्ली की तरह प्रदूषण न फैल पाए हम लोग खुशनसीब हैं जो हमारा जन्म मां नर्मदा की गोद में मैकल पर्वतों के बीच हुआ इसको बचा कर रखना हमारी सब की जवाबदारी है हमारे पूर्वज भी जब बच्चों के जन्म होने पर पौधा लगाते थे और बच्चों के विवाह के समय पौधों का भी विवाह किया जाता था इस तरह पूर्वजों की धरोहर को हमें संजो कर रखना है कार्यक्रम के संचालक बब्बू चंद्रवंशी ने नवांकुर सखियों को बताया कि हम आप लोगों को बीज की जगह पौधे भी दे सकते थे लेकिन हम आपको बीज पॉलिथीन में डालकर इसलिए दे रहे हैं ताकि आप लोग अपने बच्चों की तरह ही इन पौधों को जब अंकुरित कर पालपोश कर बड़ा करेंगे तो आप उनकी देखभाल अच्छे से कर सकेंगे कार्यक्रम में बहपुर पंचायत की सरपंच बेलाबाई ताली सरपंच चंद्रभान सिंह कोहका पूर्व सरपंच सत्यनारायण सिंह एवं सैकड़ो की संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

### बाघ के नाखून, दो निचले जबड़े के अवशेष बरामद

**उमरिया।** क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व ने बताया कि ग्राम रोहनिया रेंज धमोखर बफर बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में हरदुल बैगा के आवास में छापामार कार्यवाही की गई थी। तलाशी के दौरान 13 नाखून एवं दो निचले जबड़े के भाग ( प्रत्येक में एक कैनाइन दांत व तीन अन्य दांत ) बरामद किए गए है। उक्त अवशेषो को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 50 के अंतर्गत विधिवत जब्त कर सरकारी अभिरक्षा में लिया गया। प्रकरण में हरदुल लाल बैगा पिता फुद्दू बैगा निवासी ग्राम रोहनिया, ओमप्रकाश सिंह पिता गंगे सिंह ग्राम रोहनिया तथा रामकृपाल सिंह पिता कुँवर सेन सिंह को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धाराएँ 9, 27, 39, 44, 50 एवं 51 के अंतर्गत अभियोजन कार्यवाही प्रारंभ की गई है तथा उन्हें जिला न्यायालय प्रथम श्रेणी में प्रस्तुत किया जा रहा है। घटना में दो अन्य आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। प्रकरण की आगे की जाँच जारी है।

## स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह स्टेडियम ग्राउण्ड में होगा आयोजित

### कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

**उमरिया।** स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जिला स्तरीय कार्यक्रम अमर शहीद स्टेडियम ग्राउंड में प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जाएगा, इसके पूर्व सभी शासकीय, अशासकीय विभागों, स्कूल एवं महाविद्यालयों , ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों मे ध्वजारोहण का कार्यक्रम प्रातः 7.30 बजे से आयोजित किया जाएगा । 3 अगस्त से परेड की रिहर्सल जिला मुख्यालय स्थित अमर शहीद स्टेडियम ग्राउण्ड में की जाएगी जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम में शासकीय अशासकीय स्कूल के बच्चे शामिल होगे । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर संबंधित सरपंच , जनपद स्तर पर संबंधित जनपद पंचायत अध्यक्ष तथा नगरीय निकायों में नगरीय निकाय के अध्यक्ष ध्वजारोहण कर सकेगे। जिन स्थानों में नगरीय निकाय एवं जनपद मुख्यालय है वहां जनपद अध्यक्ष ध्वजारोहण करेंगे। फायनल परेड रिहर्सल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक व्दारा 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे से अंतिम निरीक्षण किया जाएगा । स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नगरीय क्षेत्रों मे साफ सफाई, ऐतिहासिक महत्व के स्थलों तथा चौराहों में लाईटिंग तथा देश भक्ति से ओत प्रोत संगीत का वादन किया जाएगा। सभी शासकीय अशासकीय तथा निकायों एवं निगमों के कार्यालय भवनों में एक दिन पूर्व प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, सामूहिक पीटी तथा परेड कार्यक्रम के आकर्षण होगे। मुख्य अतिथि व्दारा प्रदेश के मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्दारा किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन कलेक्टर व्दारा गठित टीम व्दारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आमंत्रण कार्ड वितरण, मंच की बैठक व्यवस्था, मंच की साज सज्जा, मैदान की साफ सफाई , विद्युत व्यवस्था, गुब्बारे की व्यवस्था आदि के संबंध में विभिन्न विभागो के अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये है । बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंगले, हरनीत कौर कलसी, एसडीओपी पुलिस नागेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

# सावन के तीसरे सोमवार मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

### दर्शन के लिए लगी कतारें, बम भोले के जयकारों से गूंजा नगर

**हरिभूमि न्यूजकोतमा।** सावन माह के तीसरे सोमवार को लेकर नगर में शिव भक्तों का शिवालयों में ताता लगा रहा। सुबह से घरों में जहां व्रतधारी श्रद्धालु ने घर में शिवलिंग निर्माण कर दुग्धाभिषेक करते हुए पूजन वंदन किया। वही शाम को शिव मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को पूजन सामग्री चढ़ाकर सुख शांति व समृद्धि की कामना की दिन भर बंब भोले के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। मंदिर के बाहर मेले जैसी स्थिति बनी रही। कोतमा में सावन सोमवार के तीसरे दिन सुबह से लेकर देर रात तक शिवालयों में भगवान भोलेनाथ के पूजन अर्चन के लिए भक्त पहुंच रहे।

### शिव मंदिरों में दिनभर लगा रहा तांता

कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम, बूढी माता मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, निगवानी रोड स्थित शंकर मंदिर, शारदा काली मंदिर, धर्मशाला मंदिर, पंचायती मंदिर, रेस्ट हाउस रोड, विकास नगर, कॉलेज तिराहा, लहसुई कैंप, पुरानी बस्ती, शिवसागर धाम, शंकर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का ताता मंदिर में लगा रहा। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र धतूर एवं अन्य फल अर्पित किए वही गंगाजल एवं दूध से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। शिवालयों में पूजा पाठ करने के लिए सुबह शाम माथा टेकने भी लोग परिवार के साथ पहुंचे। वही शिव मंदिरों में महिलाओं के द्वारा भजन कीर्तन एवं रामायण का भी आयोजन किया गया। नगर के अनेक शिवालयों में भंडारे का आयोजन भी किया गया जहां भक्तों ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

### किया गया सामूहिक रूद्राभिषेक

नगर के ठाकुर बाबा धाम एवं लहसुई कैंप शिव मंदिर मे सामूहिक रूद्राभिषेक का आयोजन किया गया जहां सैकड़ों लोग परिवार के साथ पहुंचकर रूद्राभिषेक करते हुए विधि विधान से पूजन अर्चन किया।

## खबर संक्षेप

### गाडासरई पुलिस ने बोलेरो से पकड़ी अवैध शराब, दो गिरफ्तार

**डिंडौरी।** गाडासरई थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो वाहन से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त की है। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने बेनीबारी-मझियाखार रोड पर ग्राम गन्नागुड़ा हार स्थित ईंट भट्ठे के पास घेराबंदी की। कुछ समय बाद संदिग्ध बोलेरो (क्रमांक MP36C3101) आती दिखाई दी, जिसे रोकने पर उसमें सवार दो लोग भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से 10 पेटी जीनियस व्हिस्की और 2 पेटी एमडी रम (कुल 107.280 लीटर), जिसकी अनुमानित कीमत 81,780/- है, बरामद की गई। इसके अलावा दो एंड्रॉयड मोबाइल, नगद राशि और 8 लाख कीमत की बोलेरो वाहन भी जप्त की गई। महेश शिवहरे (40 वर्ष) निवासी डबरा, जिला ग्वालियर (हाल निवासी राजेन्द्रग्राम) प्रमोद शिवहरे (43 वर्ष) निवासी शिवपुरी (हाल निवासी राजेन्द्रग्राम) दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 245/2025, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में जुटी है। निरीक्षक गिरवर सिंह उइके, उपनिरीक्षक ध्रुव कुमार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक बालमुकुंद चौरसिया, केशव रावत, प्रआर सत्यनारायण पटेल, हरनाम सिंह परते, पंकज, सिद्धु सिंह, आशीष लांजेवार, विनोद राठौर, राजा।

### नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के दौरान वितरित किए जा रहे पौधे

**अमरपुर।** विकासखंड अमरपुर में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा रविवार को ग्राम अलौनी एवं बिलासर में नवांकुर सखी एवं हरियाली यात्रा के दौरान किए गए पौधे वितरण। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के मंशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नवांकुर सखी हरियाली यात्रा पर्यावरण संरक्षण और जन जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के तहत हरियाली यात्रा के लिए नई पहल करते हुए ग्राम की महिलाओं को नामांकित सखी बनाया जा रहा हैं। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया इस पहल से पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी के साथ सामुदायिक स्तर पर पर्यावरण जागरूकता और सहभागिता बढ़ेगी जिससे पर्यावरण संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों में सफलता मिल सकेगी। इसी उद्देश्यों के साथ मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान एवं विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे की उपस्थिति में ग्राम अलौनी एवं बिलासर में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में भाजपा के मंडल अध्यक्ष आकाश नामदेव, गुलाब सिंह ठाकुर ,सरपंच गजेंद्र ठाकुर एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

# कांवड़ यात्रा की भव्य शोभायात्रा

## आस्था, भक्ति और सर्मपण का अनुपम संगम कावड़ियों पर पुष्प वर्षा कर किया अभिनन्दन

बिरासनी सेवा समिति के व्दारा आयोजित कांवड यात्रा हर वर्षो की भांति इस वर्ष भी नगर की प्राकृतिक अविरल बह रही अमहाई झिंरिया से जल लेकर पंचलेश्वर धाम जहाँ पर भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग स्थापित है..,

**बिरसिंहपुर पाली**

नगर से कांवड लेकर भक्तो ने जल चढाने हजारों की तादाद में पहुंचे। इस कांवड यात्रा में अमोलेश्वर धाम के बहु प्रसिद्ध मंहत बच्चू महराज जी रथ में कांवड यात्रा के साथ चल रहे थे उनके आगे माँ बिरासनी देवी की झांकी, भगवान भूत भावन शिव जी की झांकी, कांवडियो के आगे आगे चलकर कावड़ियों में भक्ति, आस्था की नयी ऊर्जा का संचार करती रही।डी जे के सुमधुम श्वर में त्रिलोक नाथ के भजनों में झूमते भक्तों ने कांवड यात्रा को यादगार बना दिया। विदित होवे की आज सुबह से ही कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले भक्त अमहाई झिंरिया से जल लेकर नगर के सरस्वती विद्यालय में एकत्रित हुये , जहाँ से नगर में बिराजित आदि शक्ति जगत

जननी माँ बिरासनी मंदिर पहुँच कर भक्तों ने माता से आशीर्वाद ग्रहण करते हुए पंचलेश्वर धाम के लिए रवाना हुआ। कांवड़ियों का पाली नगर मुख्य बाजार में कसौंधन समाज के व्दारा जे सी, बी के व्दारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तो बीच रास्ते में धौंरई में कावडिया संघ ने पुष्प बर्षा कर कावडियों का अभिनंदन किया गया । इसी तरह कावडियो के लिए जल पान आदि की व्यवस्था कर जगह -जगह भव्य स्वागत करते हुए लोगों ने पुण्य मे सहभागी बने । इस यात्रा में अमोलेश्वर धाम के मंहत गिरी बच्चू महराज जी के पधारने से

इस कार्यक्रम की गरिमा बहुगुणी हो गयी थी और लोगों ने उनका दर्शन लाभ लिया पंचलेश्वर धाम में व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए कार्यक्रम में बैरीकेडिंग कर भक्तों को क्रम बद्ध तरीके से भगवान के पूजा आराधना करने के लिए, जल अर्पित करने के लिए सुगम व्यवस्था बनायी गयी थी, ताकि सभी को समान रूप से पूजा आराधना का अवसर मिल सकें पंचलेश्वर धाम में आये श्रद्धालुओं को मुसीबतों से बचाने के लिए मां बिरासनी सेवा समिति व्दारा भक्तों के लिये ठहरने, चाय , नाश्ता और भंडारा की उत्तम व्यवस्था की गयी

थी, ताकि भक्तों को किसी भी तरह से अव्यवस्थाओं से जुझना न पडे । उल्लेखनीय है की पावन सावन माह के तीसरे सोमवार को पंचलेश्वर धाम में आज आस्था,, भक्ति और सर्मपण का जो अद्भुत संगम देखने को मिली,उसकी भूरी भूरी प्रशंसा देखने, सुनने को मिली ।जहाँ पर मां.बिरासनी सेवा समिति के कार्यकत्ताओं की सेवा भावना, भक्तों की आस्था और जन जन में भक्ति का जो नजारा देखने में आयी वह अनुकरणीय और पुण्य दायी के साथ ही हर एक में भक्ति की नयी ऊर्जा का संचार कर गयी

## हाई स्कूल में उन्नयन कर भवन बनवाना भूल गया प्रशासन

### सात साल से भवन की आस लगाये बैठे नागरिक, पांच कमरों में चल रही दस कक्षाएं

**बिरसिंहपुर पाली**

उमरिया जिले के दुर्गम क्षेत्र कल्दा जो जनपद पंचायत करकेली के अन्तर्गत कल्दा पंचायत में माध्यमिक विद्यालय से हाई स्कूल में उन्नयन वर्ष 2018 में हो गया , लेकिन आज तक भवन उपलब्ध न होने की वजह से आज भी विषय परिस्थितियों से गुजरना पड़ रहा है । बताया जाता है की पहले भी प्राथमिक स्कूल में दो कमरों में अध्यापन कार्य होता है , चूंकि प्राथमिक विद्यालय में कुल दो कमरे ही उपलब्ध है । माध्यमिक खंड में कक्षा वार तीन कमरे थे जिसमें क्रमशः कक्षाएं संचालित होती थी । जबसे इस विद्यालय का हाई सेकेण्डरी में उन्नयन हुआ तब से कमरों की बेहद कमी बनी हुई हैं । इस विद्यालय में कुल पांच कमरों में दस कक्षाएं संचालित हो रही है उसमें भी अब तक दर्ज छात्रों की संख्या 222 है ।

इस लिहाज से देखा जाए तो इस विद्यालय में भवन का बेहद अभाव बना हुआ है ।मूलत आदिवासी ग्राम कल्दा जहां पर लगभग आदिवासी समुदाय के बच्चे अध्ययन रत है बैठक व्यवस्था न होने की स्तिथि में अध्ययन तों कम ही होता सिर्फ दिन गुजार रहे हैं । बताया जाता है कि पहले दो कमरों में संचालित होने वाली कक्षा एक से पांचवीं तक की पढ़ाई सिमट कर एक कमरे में आ गई है ।मध्यप्रदेश शासन शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अति उत्तम व्यवस्था सुलभ कराने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है , फिर भी इस विद्यालय भवन उपलब्ध न कराने से प्रशासनिक दूरदर्शिता और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिया है ।ध्यान देने योग्य है कि कल्दा विद्यालय हमारे लोकप्रिय विधायक शिव नारायण सिंह का पड़ोसी गांव है , जहां पर इनका नियमित रूप से आना जाना बना हुआ है , लेकिन उनका इस ओर ध्यान नहीं गया , जबकि हाई स्कूल विद्यालय बनवाने में इन्हीं की सरकार की देन है ,फिर भी विधायक जी की उदासीनता का दंश कल्दा क्षेत्र के विद्यार्थियों झेलना पड़ रहा है । विदित होवे कि कल्दा गांव के अलावा ईशनपुरा, बिछिया, कलौरी,पडेरा, महोबा दादर, अमुआरी, छूली टोला टकटई, अगासी आदि गांवों के आदिवासी छात्रों के लिए एक यही कल्दा हाई स्कूल है जों की उन्नयन के सात वर्षों में एक भवन न मिल पाना आदिवासी छात्रों के लिए अभिशाप बन कर रह गई है । वैसे तो जिले में भवनों का निर्माण कार्य दुर्त गति से कराने में जिला प्रशासन की दिलचस्पी बनी रहती है ,कई जगहों पर करोड़ों रुपयो के भवन औचित्य हीन बना शासकीय राशि की होली खेलते देखे जाते हैं परन्तु इस ओर प्रशासनिक अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा आदिवासियों के भविष्य को अंधकार मय बना रहा है ।

## नवांकुर सखी योजना अंतर्गत हरियाली यात्रा फलदार पौधों का किया वितरण

**बुढार।**

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के तत्वाधान में एवं जिला समन्वयक श्री विवेक पांडेय जी के आदेश अनुसार नवांकुर सखी योजना अंतर्गत संस्कार वेलफेयर सोसाइटी समिति के बैनर तले विकासखंड बुढार के अंतर्गत ग्राम पंचायत घुंघूटा के ग्राम कछार में एवं ग्राम पंचायत खरतोरा में नवांकुर सखी को फलदार पौधा नींबू अमरूद कटहल आंवला का पौधा वितरण किया गया। ग्राम पंचायत खरतोरा की सरपंच श्रीमती उषा सिंह द्वारा कलश का दीप प्रज्वलित करके कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया एवं उद्घाटन सत्र की शुरुआत करते हुए ग्राम विकास प्रस्फुटन के सदस्य एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्रा शिव दुलारी सिंह.भारती सिंह नामांकित नवांकुर सखी को पौधे वितरण किया गया जिसमें प्रमुख रूप विकासखंड बुढार के मेंटर चंद्रशेखर वर्मा जी पूर्णिमा मुखर्जी जी सामाजिक कार्यकर्ता राम नरेश कुशवाहा एवं आशीष नामदेव का सराहनीय योगदान रहा।

## सभी विद्यार्थियों को विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं एवं योजनाओं का दिलाया जाए लाभ-कलेक्टर

### जिले के जनपद पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में पौधरोपण हेतु किया जाए वैकल्पिक भूमि का चिन्हांकन

### आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की नियुक्ति पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के आधार पर कराया जाए

### कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

**हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।** कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शासन की सभी योजनाओं का समुचित लाभ दिलाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, निःशुल्क साइकिल वितरण सहित अन्य योजनाओं का लाभ समय पर प्रदान किया जाए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान को निर्देशित किया कि विद्यालयों में पेयजल, शौचालय, पाठ्यपुस्तकों, डेस्क-बेंच जैसी मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री पंचोली कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन, विद्युत विभाग, लोक निर्माण

विभाग सहित अन्य विभागों को शासन द्वारा दिए गए पौधरोपण संबंधी निर्देशों के पालन हेतु पुष्पराजगढ़ क्षेत्र एवं अमरकंटक के विभिन्न संभावित स्थलों का निरीक्षण कर चिन्हांकन करें तथा माई की बगिया, नर्मदा उद्गम क्षेत्र के दक्षिणी तट सहित अन्य वैकल्पिक स्थलों को चिन्हित कर संबंधित विभागों को पौधरोपण हेतु आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल औपचारिकता न होकर व्यवस्थित होना चाहिए। पौधरोपण स्थलों पर ट्री गार्ड, तार फेंसिंग, पौधों की सुरक्षा व्यवस्था एवं जल की पर्याप्त उपलब्धता जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रह सकें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके।

बैठक में कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की नियुक्ति प्रक्रिया की जानकारी ली। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि जिले में 30 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा 150 सहायिका के पदों हेतु कुल 4016 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस पर कलेक्टर ने नियुक्ति प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के हितग्राहियों का एफ.आर.एस. (फेस रिकग्निशन सिस्टम) एवं ई-केवाईसी के माध्यम से आधार सत्यापन कराने की प्रक्रिया की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों एवं महिलाओं को पोषण आहार का वितरण गंभीरता एवं नियमितता के साथ किया जाए, ताकि पोषण स्तर में सुधार सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर श्री पंचोली ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग अभियान एवं हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री के प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि वितरण में गति लाने तथा अभियान की प्रभावशीलता बढ़ाने पर बल दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कलेक्टर को जानकारी दी कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि के भुगतान की प्रक्रिया प्रगति पर है। 2 से 25 जुलाई 2025 के मध्य सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग अभियान के अंतर्गत अब तक 12,915 लोगों की जांच की जा चुकी है, जबकि लक्ष्य एक लाख का निर्धारित किया गया है। इस पर कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अभियान को और अधिक सक्रियता से चलाया जाए ताकि अधिकतम जनसंख्या की समय पर जांच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने समन्वित स्वास्थ्य गतिविधि एनीमियामुक्त भारत रणनीति के तहत जिले में एनीमिया की समस्या से निपटने के लिए शासकीय शालाओं एवं संस्थानों में नियमित स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता गतिविधियों के संचालन के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने प्रत्येक माह रक्तदान शिविर आयोजित करने हेतु भी स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया, जिससे जिले में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके और जनस्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हों।

## एमजीएम स्कूल, गोपालपुर के नवीन भवन का उद्घाटन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ

**बुढार।**

एम. जी. एम.स्कूल, गोपालपुर में नवनिर्मित भवन के भव्य उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन। स्कूल समुदाय ने एक विशेष अवसर को उत्साह, प्रेरणा और सीख के साथ मनाया, कार्यक्रम का समापन एक भावपूर्ण धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें इस आयोजन को सफल बनाने वाले सभी गणमान्य नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि बिशप प्लेक्जीयस मार यूसिबीयस ने अपना बहुमूल्य समय देकर विद्यालय को अनुग्रहित किया। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, उन्होंने समारोह में उपस्थित होकर प्रेरणादायक विचारों को साझा किया, जो सभी के लिए अत्यंत प्रभावशाली रहे। कार्यक्रम मे अतिथियों को अर्पित किया गया ,जिनमें डॉ. शिवेंद्र द्विवेदी, थाना प्रभारी संजय जायसवाल अनुपमा प्रकाश शासकीय स्कूल की प्रधानाचार्य तथा एम. जी.एम. स्कूल, धनपुरी के वाइस प्रेसिडेंट,

रेवलेंट फादर जांबी पीटर शामिल थे। आप सभी की उपस्थिति ने कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ाया। विद्यालय के प्राचार्य रेवलेन्ट फादर डीनू कुरियन, श्रीमती बबीशा पी. जॉन एवं कीर्ति वर्मा को उनके प्रेरणादायक नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हो सका। शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों को भी उनकी अथक मेहनत और उत्कृष्ट तैयारी के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। साथ ही अभिभावकों और आगंतुकों की उपस्थिति और समर्थन के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया गया। महत्वपूर्ण रूप से विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया गया, जिनकी ऊर्जा, उत्साह और सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को विशेष बना दिया।

समारोह में छात्र - छात्राओं द्वारा गायन और नृत्यकला की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास करने की राह में मिल का पत्थर साबित होते हैं। विद्यालय के इस भव्य उद्घाटन समारोह के अंतिम पड़ाव पर सामूहिक राष्ट्रगान गान का गायन हुआ।

दिनभर चली जांच में पाई गई कमियां

# तीन पीलिंग लेंथ मशीन संचालकों को किया नोटिस जारी डीएफओ के द्वारा लाइसेंस कैंसिल करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर/कोतमा।

नगर परिषद बरगवां अमलाई एवं कोतमा क्षेत्र में संचालित पीलिंग लेथ मशीनों के लाइसेंस सहित स्टाक पंजी एंव अन्य दस्तावेजों की जांच के लिए वन मंडलाधिकारी विपिन कुमार पटेल के द्वारा प्रशिशु एसडीओ आई एफ एस अधिकारी परिवेश परवले के नेतृत्व में वन अमले के साथ पहुंचकर जांच की गई। जांच सुबह 11 बजे से 6 बजे शाम तक छः घंटे चली जिसमें नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 3 स्थिति अनिल कुमार अग्रवाल उर्फ टीटू एवं कोतमा स्थित आकाश साहू निवासी पेंड्रा गौरेला तथा मो. शाहिद रजा पिता मो. जाबिर रजा पता छोटापारा रायपुर, जिला रायपुर पीलिंग लेथ मशीन विनियर मशीन लगाने की अनुमति के संबंध के साथ ही दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान काफी अनियमितता एवं कमियां पाई गई। जिसके बाद तीनों पीलिंग लेथ मशीन संचालकों को नोटिस जारी करते हुए लाइसेंस निरस्त किया गया। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोतमा स्थित पीलिंग लेथ मशीन में जांच के दौरान पाया गया कि रायपुर बिलासपुर ओपीएम की टीपी पर वह माल वहां न भेजकर शिवाय बुड पीलिंग लेथ मशीन में रखा गया था एवं संधारण भी शिवाय बुड पीलिंग लेथ मशीन स्थल के स्टाक रजिस्टर में करना पाया गया। साथ ही और भी कई अनियमितता पाई गई। साथ ही नोटिस के माध्यम से बताया गया कि पूर्व वन मंडलाधिकारी के द्वारा नियम विरुद्ध तीनों पीलिंग लेथ मशीन का लाइसेंस जारी किया गया था जिन्हें नोटिस जारी किया गया है।

अनुज्ञप्ति तत्कालीन वन मण्डलाधिकारी अनूपपुर द्वारा प्रदाय की गई थी। म.प्र. राजपत्र असाधारण 14 जनवरी 2022 में मध्यप्रदेश काष्ठ चिरान (विनियमन) संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार ऐसे उद्योग या प्रसंस्करण संयंत्र जो घरेलू मूल की लकड़ी के गोले लट्ठों का प्रयोग नहीं करते हैं या जो 30 से.मी. व्यास से अधिक से बैण्ड सों या री-सों या चक्राकार आरा के बिना प्रचालन करते हैं, के लिये प्रतिशिद्ध क्षेत्रों में अनुज्ञप्ति आपेक्षित नहीं होगी, परन्तु यह और कि ऐसे उद्योग या प्रसंस्करण यंत्र जो (एक) चीरी हुयी ईमारती लकड़ी, बेंत, बांस, नरकट प्लाईवुड, विनीयर या आयाति लकड़ी। (दो)- ब्लैक बोर्ड, मिडियन डेनसिटी फाईबर-बोर्ड या इसी प्रकार के काष्ठ आधरित उत्पाद। तीन राज्य में कटाई तथा पारगमन व्यवस्था के अधिकार क्षेत्र में छूट प्राप्त प्रजातियों से प्राप्त गोल लट्ठे या ईमारती लकड़ी, का उपयोग करते हैं, के लिये अनुज्ञप्ति अपेक्षित नहीं होगी। तत्कालीन वन मण्डलाधिकारी अनूपपुर द्वारा अनुज्ञप्ति एन.ओ.सी. म.प्र. काष्ठ चिरान विनियमन संशोधन अधिनियम 2021 यशा संशोधित 14 जनवरी 2022 के अनुपालन में किया गया। वस्तुतः इस प्रावधान के अंतर्गत दर्शित उद्योग प्रसंस्करण संयंत्र हेतु अनुज्ञप्ति अपेक्षित ही नहीं है। मध्य प्रदेश काष्ठ चिरान विनियमन संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार ऐसे उद्योग या प्रसंस्करण संयंत्र जो घरेलू मूल लकड़ी के गोल लट्ठों का प्रयोग नहीं करते, उनके लिये किसी प्रकार की अनुज्ञप्ति अपेक्षित नहीं है। यदि ऐसे कामों के लिये अनुज्ञप्ति अपेक्षित नहीं है तो इसी अधिनियम के अंतर्गत विनियर मशीन उद्योग जिसमें उपयोग की जाने वाली मशीन की शक्ति 80 एच.पी. है एवं एक नग चेन शॉ मशीन जिसकी शक्ति 03 एच.पी., उसके लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुज्ञप्ति प्रदाय किया जाये, इस अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है।

वन मण्डल अनूपपुर अंतर्गत संचालित आरामशीन में उपयोग की जाने वाली विद्युत मोटर की क्षमता अधिकतम 25 एचपी है। ऐसे में आरामशीन से भी बड़े उद्योग विनियर उद्योग जिसमें 80 एच.पी. की विद्युत क्षमता को लगाकर विनियर का निर्माण करना एवं चेन शों के माध्यम से लट्ठों की चिराई करना मध्य प्रदेश काष्ठ चिरान विनियमन अधिनियम 1984 की धारा 2 (च) एवं 2 (ज) में दी गई परिभाषाओं के अनुसार क्रमशः आरामिल एवं विनियर का निर्माण चिरान के रूप में परिभाषित है। इस प्रकार संदर्भित पत्र से एक नई आरामशीन को चलाने की स्वीकृति प्रदान की गई, जो कि अवैधानिक है एवं मध्य प्रदेश काष्ठ चिरान (विनियमन) अधिनियम 1984 के प्रावधानों के विपरीत है। टी.एन. गोदावर्मन चिरूमलपाद बनाम भारत संघ एवं अन्य के मामले में 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं. 202 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश 05 अक्टूबर 2015 में अंतर्विष्ट निर्देशों के अनुपालन में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने 11 नवम्बर 2016 को संकल्प के द्वारा काष्ठ आधारित उद्योग (स्थापना और विनियमन) दिशा निर्देश 2016 जारी किये गए तथा दिनांक 11 सितम्बर 2017 को इन दिशा निर्देशों में संशोधन भी जारी किये गए। भारत सरकार द्वारा जारी उक्त दिशा निर्देशों के बिन्दु क्रमांक 2 (आई) (1) विनियर मिल या प्लाईवुड मिल की परिभाषा दी गई है। दिशा निर्देशों के बिन्दु क्रमांक 2 (आई) (के) तथा संशोधित दिशा निर्देश 11 सितम्बर 2017 में निर्देशों के बिन्दु क्रमांक 2 (आई) (एच) में काष्ठ आधारित उद्योग को परिभाषित किया गया है। इन परिभाषाओं के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऐसा कोई उद्योग अभिप्रेत है, जो काष्ठ को कच्चे माल के रूप में संसाधित करता है आरामिल विनियर प्लाईवुड इत्यादि। इससे यह स्पष्ट है कि तत्कालीन वन मण्डलाधिकारी अनूपपुर द्वारा एक काष्ठ आधारित उद्योग को संचालित किये जाने की अनुज्ञप्ति एन.ओ.सी. प्रदाय की गई। दिशा निर्देश 11 सितम्बर 2017 के बिन्दु 4 (पप) के प्रावधान अनुसार नये काष्ठ आधारित उद्योगों के लिये नई अनुज्ञप्ति दिये जाने का अधिकार सिर्फ राज्य स्तरीय समिति एस.एल.सी. को ही है।

तत्कालीन वन मण्डलाधिकारी अनूपपुर द्वारा बिना एस.एल.सी. को प्रस्ताव भेजे अथवा एस.एल.सी. से बिना अनुमोदन कराये नई काष्ठ आधारित उद्योग विनियर निर्माण की अनुज्ञप्ति एन.ओ.सी. प्रदान कर भारत सरकार द्वारा काष्ठ आधारित उद्योग स्थापना और विनियमन दिशा निर्देश 2016 यथासंशोधित सितम्बर 2017 के पैरा 4 (प) का उल्लंघन किया गया है।वीनियर मशीन लगाये जाने हेतु प्रदाय की गई अनापत्ति अनुज्ञप्ति, म.प्र. काष्ठ चिरान विनियमन संशोधन नियम 1984 का उल्लंघन होने तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा काष्ठ आधारित उद्योग स्थापना और विनियमन दिशा निर्देश 2016 एवं उसका संशोधन 11 सितम्बर 2017 के दिये गए दिशा निर्देशों का उल्लंघन होने के कारण प्रदाय किया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।

**इनका कहना है**

तीन पीलिंग लेंथ मशीन संचालकों को नोटिस जारी करते हुए कार्यवाही की गई है, तथा लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।
**विपिन कुमार पटेल**
वन मंडलाधिकारी अनूपपुर

# डीपीसी जिला शिक्षा केंद्र की उदासीनता बना दिव्यांग बच्चों के शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास में रोड़ा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश शासन के राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा दिव्यांग बच्चों के शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास संचालित किए गए हैं स जिले में दिव्यांग छात्रावास का संचालन पिछले सत्र तक किया गया परंतु वर्तमान शिक्षा सत्र के लगभग डेढ़ महीने बीत जाने के पश्चात भी दिव्यांग छात्रावास का संचालन ना किया जाना जिला प्रशासन की उदासीनता एवं डीपीसी जिला शिक्षा केंद्र अनूपपुर की संवेदनशीलता प्रदर्शित करती हैस छात्रावास का संचालन नहीं होने से दिव्यांग छात्र छात्राएं एवं उनके अभिभावक दोनों चिंतित हैं परंतु जिला प्रशासन एवं विभाग के अधिकारियों को इससे कोई सरोकार नहीं है। जिले की वर्तमान स्थिति में अलग-अलग दिव्यांगता के बच्चों की संख्या सैकड़ो में हैस जिसमें शासन प्रशासन द्वारा महज 50 बच्चों हेतु दिव्यांग छात्रावास का संचालन किया जा रहा है एवं शेष प्रभावित दिव्यांग बच्चे उपेक्षित हैं। इसके साथ ही इन बच्चों की शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए प्रत्येक विकासखंड स्तर पर एक मोबाइल स्रोत सलाहकार की नियुक्ति की गई है जिनका कार्य प्रत्येक दिव्यांग बच्चों का सर्वे कर उन्हें शाला में दर्ज करवाना एवं उन्हें विद्यालय में या होम विजिट के माध्यम से आवश्यक प्रशिक्षण, थेरेपी एवं सुविधाएं प्रदान करना है परंतु इसकी जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। मोबाइल स्रोत सलाहकारो द्वारा यह कार्य भी नहीं किया जा रहा हैस गत वर्ष राज्य शासन के आदेशानुसार प्राथमिकता के आधार पर जिला शिक्षा केंद्र द्वारा दिव्यांग छात्रावास संचालन हेतु अनुभवी स्वयंसेवी संस्थाओं से आवेदन प्रस्ताव मांगे गए जिसका विज्ञापन ऐसे अखबारों में दिया गया जिसे सीधी जिले की सुंदरवती शिक्षा एवं सेवा समिति एवं इसी संस्था की परिचित संस्थाओं ने देखा और आवेदन किया एवं जिला शिक्षा केंद्र द्वारा आनन फानन में बीच सत्र में पदस्थ अधीक्षक को हटाकर दिव्यांग छात्रावास के संचालन का कार्य सुंदरवती शिक्षा एवं सेवा समिति अमिलई जिला सीधी को दे दिया गया स जबकि जिले एवं संभाग में भी इस विषय पर कार्य करने वाली अनुभवी संस्थाएं हैं जो वर्षों से कार्यरत हैं इस संपूर्ण कार्यवाही पर भी विभाग एवं प्रभारी द्वारा षड्यंत्र कर चयनित संस्था को लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई लगता है उपरोक्त संबंध में पदस्थ अधीक्षक श्रीमती नंदिनी पटेल द्वारा बीच सत्र में उन्हें न हटाने एवं संचालन में खर्च राशि का भुगतान करने हेतु विभाग एवं जिला प्रशासन को कई बार पत्राचार किया गया परंतु कार्यवाही न होने पर उन्हें हाई कोर्ट की शरण में जाना पड़ा स उन्होंने सुंदरवती शिक्षा एवं सेवा समिति अमिलई पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं जिन्हें विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा अनदेखा किया जाना दिव्यांग छात्रावास के हित में नहीं है। इस संबंध में दिव्यांग कल्याण अभिभावक संघ के अध्यक्ष राजेश सिंह ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उपरोक्त आरोपों की जांच एवं समस्याओं का समाधान कर जल्द छात्रावास का संचालन प्रारंभ किया जाए ताकि पालकों की चिंता कम हो सके एवं कक्षा आठवीं के पश्चात दिव्यांग बच्चों की आगे की पढ़ाई हेतु भी व्यवस्था की जाए स साथ ही दिव्यांग छात्रावास के संचालन का कार्य स्थानीय जिले एवं संभाग की संस्थाओं को दिया जाए जो क्षेत्र में पूर्व से सेवाभाव से कार्यरत हैं।

# 70 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने लिया पुण्य लाभ

## श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर शिवभक्तों का सैलाब

### नर्मदा स्नान, कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक से गूंजा अमरकंटक

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

*श्रावण मास के पावन शुक्ल पक्ष की तृतीया, हरियाली तीज, स्वर्ण गौरी व्रत एवं मधुश्रवा तीज जैसे अनेक धार्मिक संयोगों के साथ सोमवार 28 जुलाई को पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिला। शिवभक्तों, तीर्थ यात्रियों और कांवड़यिों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 5 बजे से देर रात तक कोटि तीर्थ, गांधी कुंड, रामघाट एवं नर्मदा उद्गम स्थल सहित पूरे नगर में शिव नाम की गूंज और भक्तिमय वातावरण छाया रहा।*

### नर्मदा घाटों पर श्रद्धा की डुबकी, शिवालयों में रुद्राभिषेक

सभी प्रमुख घाटों पर भक्तों ने पतित पावनी मां नर्मदा में पुण्य स्नान कर शिव पूजन का संकल्प लिया। नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन के साथ भगवान अमरकंठेश्वर महादेव, घंटेश्वर, सिद्धेश्वर, 11 रुद्र महादेव एवं अन्य शिवालयों में रुद्राभिषेक किया गया। भक्तों ने दूध, दही, घी, मधु, बेलपत्र, भांग, धतूरा, दूर्वा आदि अर्पित कर भोलेनाथ से क्षमा याचना की और मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद मांगा।

### नंगे पाँव 8 किलोमीटर कांवड़ यात्रा, जल लेकर पहुंचे जालेश्वर धाम

सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालु कांवड़ में नर्मदा जल भरकर लगभग 8 किलोमीटर की नंगे पांव पदयात्रा करते हुए जालेश्वर महादेव पहुंचे। वहां स्वयंभू शिवलिंग पर विधिपूर्वक जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। "बोल बम" के नारों से मार्ग और मंदिर परिसर गूंज उठे।

### सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद, पूरी तरह सतर्क नजर आया प्रशासन

जालेश्वर धाम में छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। नर्मदा उद्गम स्थल व नगर क्षेत्र में अनूपपुर जिले की पुलिस तैनात रही। अमरकंटक थाने के नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी, उप निरीक्षक पीएस बघेल, एएसआई ईश्वर यादव सहित पुलिस बल और राजस्व विभाग के आरआई व स्थानीय पटवारी अश्विनी तिवारी की टीम सक्रिय रूप से कार्यरत रही।

### वर्षा न होने से आयोजन रहा निर्बाध, श्रद्धालुओं में उत्साह

श्रद्धालुओं के लिए यह सौभाग्य रहा कि श्रावण सोमवार के दिन इंद्रदेव भी प्रसन्न रहे और दिनभर वर्षा नहीं हुई, जिससे संपूर्ण धार्मिक गतिविधियाँ शांतिपूर्वक संपन्न हुईं। भक्तों में उल्लास, उमंग और अपार श्रद्धा देखने को मिला।

### विविध राज्यों और जिलों से उमड़े भक्त

अमरकंटक में श्रद्धालु विभिन्न स्थानों से पधारे थे, जिनमें प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ के कवर्धा, मुंगेली, पंडरिया, कोटा, बेलगहना, गौरेला-पेंड्रा, मरवाही, कोरबा, उड़ीसा के राउरकेला, संबलपुर, तथा मध्यप्रदेश के अनूपपुर, राजेन्द्रग्राम, बुढ़ार, शहडोल, धनपुरी, करंजिया, गोरखपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों से भक्तजन शामिल थे।

### श्रावण सोमवार की महिमा, क्या कहते हैं पुजारी

नर्मदा मंदिर के पुजारी उमेश द्विवेदी (बंटी महाराज) एवं धनेश द्विवेदी (वंदे महाराज) ने बताया कि "श्रावण मास का प्रत्येक सोमवार भगवान शिव को अत्यंत प्रिय होता है। इस दिन शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से वे सहज ही प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

### भक्ति, श्रद्धा और व्यवस्था का अनूठा संगम

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को अमरकंटक में हुआ आयोजन केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि आस्था का महासंगम था। प्रशासनिक सजगता, पुलिस की सतर्कता, मौसम का साथ और भक्तों की अपार श्रद्धा ने इस दिन को ऐतिहासिक बना दिया।

**ईमानदार परिवार को ठेकेदार के इशारे पर पुलिस की प्रताड़ना**

# महिला ने लगाई न्याय की गुहार, पुलिस संरक्षण में फुनगा क्षेत्र में फलता-फूलता शराब कारोबार

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

जहां एक ओर सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और समाज से नशा उन्मूलन की बात करती है, वहीं ज़मीनी सच्चाई इन नारों की धज्जियां उड़ाती प्रतीत हो रही है। थाना भालूमाड़ा क्षेत्र की निवासी साधना साहू ने अपने पूरे परिवार को शराब ठेकेदारों और पुलिस की साठगांठ का शिकार बताते हुए न्याय की गुहार लगाई है उन्होंने कोतमा पुलिस और आबकारी विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि उनके पति दुर्गेश साहू, जिन्होंने शराब व्यापार छोड़ कर ईमानदारी की राह अपनाई, आज उन्हीं की ईमानदारी उनकी सबसे बड़ी सजा बन गई है।

### पीड़ता का खुलासा ठेकेदार के इशारे पर छापे, बेइज्जती और धमकी

साधना साहू का कहना है कि कोतमा भट्टी के ठेकेदार वीरेंद्र राय के निर्देश पर उनके घर और दुकान पर बार-बार पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा छापा मारा जा रहा है। 26 जुलाई को दोपहर 1 बजे, ठेकेदार के कर्मचारी, कोतमा थाना प्रभारी और पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंचे बिना किसी वारंट या वैध दस्तावेज के पूरा घर घेर लिया गया और परिवार को भयभीत करते हुए उनके निजी स्थानों की तलाशी ली गई। महिला ने बताया कि घर की बंद पेटी को जबरन तुड़वाया गया, रसोईघर, बेडरूम और बच्चों के कमरों तक में तलाशी ली गई विरोध करने पर किसी की एक नहीं सुनी गई उनके द्वारा जब इस कार्रवाई का वीडियो बनाने की कोशिश की गई, तो पुलिसकर्मियों और ठेकेदार के लोगों ने मोबाइल छीन लिए यह पूरी घटना कानून और संविधान की मर्यादा का खुला उल्लंघन है।

### कोई बरामदगी नहीं, फिर भी जबरन पंचनामा और धमकी

साधना ने बताया कि छापेमारी के दौरान किसी भी प्रकार की शराब या अवैध सामग्री नहीं मिली, इसके बावजूद पुलिस द्वारा जबरन पंचनामा बनवाया गया और उनके पति से दस्तखत करवाए गए इतना ही नहीं, यह धमकी भी दी गई कि अगर ठेकेदार की शराब नहीं बेचोगे तो तुम्हें जेल भेज दिया जाएगा। जितनी तेजी से पुलिस ईमानदार परिवार पर शिकंजा कस रही है, उतनी ही चुप्पी फुनगा क्षेत्र में फलते-फूलते अवैध शराब कारोबार पर है। पीडीएस गोदाम पयारी क्रमांक 1 के सामने में खुलेआम शराब बिक रही है लोगों का कहना है कि दिन के उजाले में यहां बिना डर के शराब बेची जा रही है और कोई भी गांववासी शराब विक्रेताओं के नाम और ठिकाने तक बता सकता है, लेकिन प्रशासन की आंखें मूंदे बैठी हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, फुनगा क्षेत्र में बिकने वाली अधिकतर अवैध शराब जमुना ठेका से लाई जाती है इस पूरे नेटवर्क में ठेकेदार वीरेंद्र राय के साथ-साथ जीवन शिवहरे और राहुल राय जमुना निवासी विद्या की अहम भूमिका है। प्रश्न जो अब जिला प्रशासन के दरवाज़े पर दस्तक दे रहे हैं:-क्या पुलिस और आबकारी विभाग ठेकेदारों के इशारे पर सिर्फ निर्दोषों को निशाना बना रही है? क्या फुनगा में चल रहा अवैध शराब कारोबार उन्हीं के संरक्षण में पनप रहा है? क्या साधना साहू जैसी महिला की इज्ज़त और सुरक्षा इस तंत्र के आगे बौनी पड़ गई है।

### पीड़ता ने की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

साधना साहू ने जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों को कानून के अनुसार दंडित किया जाए उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन समय रहते कार्रवाई नहीं करता, तो वे मानवाधिकार आयोग और महिला आयोग तक जाने को बाध्य होंगी। यह सिर्फ एक परिवार की लड़ाई नहीं, यह उस व्यवस्था पर सवाल है जो ईमानदारी को अपराध और अपराध को व्यापार समझ बैठी है अब देखना यह है कि प्रशासन इस अन्याय के विरुद्ध खड़ा होता है या फिर यह कहानी भी सैकड़ों अनसुनी पुकारों की तरह फाइलों में दबी रह जाएगी।

# नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत पुलिस उपमहानिरीक्षक, शहडोल एवं पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा शासकीय पालेटेक्निक कालेज अनूपपुर में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा दिनांक 15.07.2025 से 30.07.2025 तक नशा मुक्ति जनजागृति अभियान ''नशे से दूरी है जरूरी"' प्रदेश स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग को ड्रग्स के गंभीर दुष्परिणामो के बारे में जागरूक करना है। म.प्र. पुलिस के उक्त प्रदेश स्तरीय चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत सोमवार की दोपहर शासकीय पालेटेक्निक कालेज, अनूपपुर में पुलिस उपमहानिरीक्षक शहडोल रेन्ज, शडडोल सुश्री सविता सोहाने, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान एवं एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा की उपस्थिति में टी.आई कोतवाली अरविन्द जैन एवं सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिहं, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, महेन्द्र राठौर, आरक्षक संजय सिहं, कुलदीप सिहं द्वारा करीब 300 छात्र छात्राओं एवं नगर के मीडिया बन्धुओ की उपस्थिति में नशा मुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। शासकीय पालेटेक्निक कालेज अनूपपुर के प्राचार्य राजू परस्ते एवं व्याख्यातागण राकेश पाण्डे, सामन्त वर्मा, विजयलक्ष्मी शर्मा के साथ आयोजित उक्त कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के ड्रग्स से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ।

पुलिस उपमहानिरीक्षक शहडोल सुश्री सविता सोहाने द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओ को बताया गया कि जीवन में उन्नति के मार्ग पर आगे बढने के लिए नशे को हमेशा ना कहें। छात्र-छात्रायें इस तरह की संगति एवं दोस्ती से बचें जिनके बीच किसी प्रकार के नशे जैसे तम्बाकू, गुटखा, सिगरेट, शराब या कॉरेक्स जैसी नशीली दवाओ के सेवन की शुरूआत होती है और आगे चलकर लत लग जाती है। डीआईजी सुश्री सविता सोहाने ने उपस्थित सैकड़ो छात्र छात्राओ को उनके परिवार रिस्तेदारी, मोहल्ले एवं समाज में भी नशा करने वालो तक यह बात पहुंचाने की समझाईश दी गई।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार के सोशल कल्चर अथवा दोस्तो के दबाव में आकर अपने जीवन में किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करें। आज के छात्र छात्राओ को चाहिए कि लौह पुरूष सरदार बल्लभ बाई पटेल जैसे देश के महान व्यक्तिवो को अपना आदर्श चुनकर जीवन में अपने लक्ष्यो को प्राप्त करें। एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा द्वारा छात्र छात्राओं को बताया गया कि जीवन में सकारात्मक लक्ष्यो के लिए नशा रखें जैसे देशभक्ति, कैरियर के निर्माण और परिवार का नाम रोशन करने का नशा आपमें होना चाहिए ना कि ड्रग्स का सेवन कर अपना जीवन खराब करें।

### ' नशे से दूरी है जरूरी "

आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र पूर्वांश अग्रवाल (सिविल इंजीनियरिंग), द्वितीय स्थान आकांक्षा राठौर (कम्पयूटर साईस), तृतीय अंजली यादव (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आदित्य तोमर (सिविल इंजीनियरिंग), द्वितीय स्थान स्नेहा पनिका (कम्पयूटर साईस) को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डीआईजी, शहडोल सुश्री सविता सोहाने द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को जीवन में कभी नशा न किए जाने हेतु शपथ दिलाई गई एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा चलाये जा रहे नशे को कहे ना हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की। (नशे को कहे ना हस्ताक्षर अभियान )' के एक विशाल बैनर में डीआईजी सुश्री सविता सोहाने, एस.पी. अनूपपुर मोती उर रहमान, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा सहित सैकड़ो छात्र छात्राओ ने अपने हस्ताक्षर किये। शासकीय पालेटेक्निकिक कालेज अनूपपुर की ओर से व्याख्याता राकेश पाण्डे द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।